(K-2004)

LL.B. II Sem. Examination, May, 2017

Law-IV Contract-II

(Specific Contract and Law of Partnership)

Time: Three Hours] **[M.M. : 100**

Note: सभी खण्डों को निर्देशानुसार हल कीजिए। Attempt all the sections as per instructions.

खण्ड-अ (Section-A)

Note: सभी पाँच प्रश्नों को हल कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है। अधिकतम 75 शब्दों में लघु उत्तर अपेक्षित है।

Attempt all the five questions. Each question carries 4 marks. Very short answer is required not exceeding 75 words.

1. नूमने द्वारा विक्रय।

   Sale by Sample.

2. चलत प्रत्याभूति।

   Continuing guarantee.

3. इच्छाधीन भागीदारी।

   Partnership at will.

4. आवश्यकता जनित अभिकरण।

   Agency of Necessity.

5. अदत्त विक्रेता।

   Unpaid Seller.

खण्ड-ब (Section-B)

Note: निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है। अधिकतम 200 शब्दों में लघु उत्तर अपेक्षित है।

Attempt any two questions out of the following three questions. Each question carries 10 marks. Short answer is required not exceeding 200 words. http://www.ccsustudy.com

6. गिरवी का उपनिधान एवं बन्धक से अन्तर बताइए।

   Distinguish Pledge from Bailment and Mortgage.

7. 'साझेदारी का जन्म संविदा से होता है, प्रास्थिति से नहीं समझाइये।

   "Partnership is created by contract, not by status." Discuss.

8. अदत्त विक्रेता के धारणाधिकार से सम्बन्धित प्रावधानों को स्पष्ट कीजिए।

   Explain the provisions relating to unpaid seller's right to lien.

खण्ड-स (Section-C)

Note: निम्नलिखित पाँच में से तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है। विस्तृत उत्तर अपेक्षित हैं।

Attempt any three questions out of the following five questions. Each question carries 20 marks. Answer is required in detail.

9. विक्रय को परिभाषित कीजिए। इसके आवश्यक तत्व बताइए। विक्रय एवं विक्रय करार में अन्तर कीजिए।

Define sale. What are the essentials of sale. Distinguish between sale and agreement to sell.

10. उन तरीकों की विवेचना कीजिए जिनके आधार पर अभिकरण का पर्यवसान किया जा सकता है।

Discuss the different modes by which the agency can be terminated,

11. "क्रेता सावधान का नियम अब विक्रेता सावधान के रूप में बदल गया है।" समझाइये।

The rule of "caveat emptor" has become almost the rule of "caveat venditor". Discuss.

12. प्रतिभू का दायित्व मूलऋणी के दायित्व के समविस्तीर्ण है। इस कथन की व्याख्या कीजिये।

The liability of Surety is co-extensive with that and principal debtor. Explain the statement.

13. व्यपदेशन के सिद्धान्त की विवेचना कीजिए। इस सिद्धान्त के क्या अपवाद हैं? समझाइये।

Discuss the doctrine of Holding Out. What are its exceptions ? Explain.